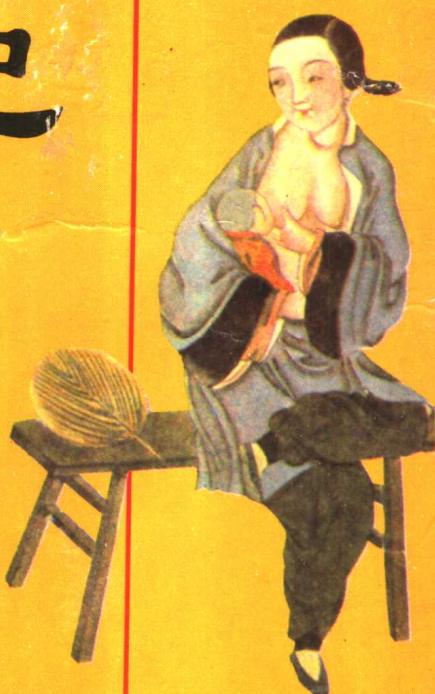


新镌全本

乾隆四十六年本

笑林广记



稀胡子

一稀胡子要相面，相士云：「尊相虽不大富，亦不到贫。」胡者云：「何以见得？」相士曰：「看公之须，比上不足，比下有余。」



游戏主人 纂辑

粲然居士

参订

取财 校点

光明日报出版社



笑 林 广 记

游戏主人 築辑
粲然居士 参订
瑕 财 校点

光明日报出版社

(京)登字 101 号

笑林广记

游戏主人 暮耕
纂然居士 参订
寅 财 校点



光明日报出版社出版发行

(北京永安路 106 号)

邮政编码:100050

电话:3017733—484

全国各地新华书店经销

华光胶印厂印刷

850×1168 1/32 印张 8.5 字数 140 千字

1993 年 5 月 第 1 版 1993 年 11 月 第 2 次印刷

印数:15,000—20,000 册

ISBN 7—80091—436—4/G · 597

定 价:7.60 元

序

大块茫茫，流光瞬息，而其间覆雨翻云，错互变灭，几令天地为之戚容，河山为之黯色。抱此六尺躯，不能胸出智珠。郭清陷溺，犹自栩栩燕笑；徒资譚柄，是亦可慨也已！

虽然文人游戏，为龙为蛇，无所不可。故顾满目荆榛，盈前矛戟，而青樽惟我，白眼由他，总付之哑然一笑，鸟所论妍媸美丑耶。

主人秉异赋，倜傥英奇，不屑作小儒顰蹙态，弱冠即有志四方，足迹遍海内。故其闻见日益广而谙练日益深。夫何颖秃研穿，经荒裘敝，而白衣苍狗，笑眼谁青。则又往往袭曼倩之诙谐，学庄周之隐语，清言倾四座，非徒貌晋人之风味，实深有激乎其中，而聊借玩世，此《笑林广记》之所以不辞俚鄙，用辑成书，亦足见其一斑矣。书为同人欣赏，以请付梓，而主人仍以游戏所成，惟恐受嗤俗目，不敢问世。昨因坊请甚虔，迺掀髯大噱曰：“知我罪我，吾亦听之，斯世已矣。”

且余壹不知天壤间，何者当歌，何者当泣，第念红尘鹿鹿，触绪增愁。所谓“人世难逢开口笑。”不独余悼之戚之。苟得是编而一再流览焉，非拍案以狂呼；即抚膺而叫

绝，或断淳于之缨，或解匡鼎之颐；言者无罪，闻者倾倒。几令大块尽成一欢喜场，若徒赏其灵心慧舌，谓此则工巧也，此则尖颖也，此则神奇变幻、匪所思存也；则供频笑于当涂，博欢颜于叔季。壮夫之所不为，岂有心世教者之所取容求媚者哉。

余故于主人之隽是集而乐为序也。

掀髯叟漫题于笑笑轩

前　　言

《笑林广记》是一部通俗的笑话总集，在宋代就已问世，明、清两代广为流传，深受劳动人民的喜爱。

《笑林广记》最早见于宋代的刻本，但民间流传甚少，后经元、明、清几代人的搜集整理加工，内容不断充实，篇幅不断增加，随之出现了几种刻本。相比之下，清代乾隆四十六（1781）年刻本为最佳，内容齐全、刻工精巧、残误甚少。这次校点就是以此本为底本。

《笑林广记》分有：古艳、腐流、术业、形体、珠囊、闺风、世讳、僧道、贪吝、贫窭、讥刺、谬误十二卷，近千个笑话。在这些笑话中以风趣幽默的语言，简练隽秀的文字，丰富的遐想，引人发笑的事件，生动再现了封建社会的民间风俗，人生情趣，世态炎凉、官场腐败以及性方面的描写等等，极具讽刺意义。每一个笑话犹如电影镜头画面，给人以轻松的艺术享受，带你进入全方位的欢乐世界，如果说《红楼梦》让你从头哭到尾，那么，《笑林广记》使你从始笑到终。

《笑林广记》作为通俗的文学读物，在文学创作上，具有其独特的艺术风格。它不同于诗、词，有别于赋、赋，异

样于小说、戏剧，是广大劳动人民喜闻乐见的另一样式。《笑林广记》中的每个笑话都很短小，长则几百字，短则几十字，它没有铺陈，没有心理描写，几乎都是生活的直接复制，就是在这极短的篇幅内展现人物事件。每一个笑话，又是一篇小小说或微型小说，笑林反映的生活内容是极广泛的，都是人们所熟悉的，它反映的都是普通人的生活，普通的事件。有些似乎荒唐，但令人可信。幽默是笑林的精髓，笑林语言的幽默奠定了它在文学之林的地位，幽默的语言装璜了笑话的浓度，提高了笑话的价值。

《笑林广记》是一部通俗的文学读物。所谓通俗是与典雅比较而言的，通俗的并非低级，典雅的并非高洁。这要看所反映的生活是否真实，是否让更多的读者所接受。笑林的通俗，通俗得恰如其分，通俗得真实，通俗得艺术，通俗得稍有文化人亦能接受和欣赏。而典雅的文学却不能或不完全能做到这一点，这是由欣赏者所决定的。如词赋之类，可谓是文学创作的典雅形式了，或说是典雅文学了，典雅的文学大半是文人的歌颂之辞，通俗的文学大半是普通人的生活之语；典雅的在一定程度上远离人民，通俗的却在人民中间，看过笑林者都能讲述几段，看过词赋者能讲述的就不多了。通俗的文学令人轻松、易懂、产生欢快。因此说，越是通俗，越有其生命力，小说的发展，白话的演变都证明了这一点。《笑林广记》无疑达到如此程度，产生着如此效果。

《笑林广记》由游戏主人纂辑，其内容不是一人一世的创作，而是广大劳动者共同创作的产物，是劳动者智慧的结晶。它产生于民间，创作于人民。这足以说明它的文学性，人民性。人民需要生活，需要真实，需要艺术，需要快乐。《笑林广记》正是从各个方面和角度真实地反映了社会和人们的生活，并在此基础上进行了艺术的加工描写，形成了一个具有其自身风格和特色的文学形式。所以，艺术地再现这类生活，是一种文化的反映。

《笑林广记》无论是其内容，还是它的表现形式，作为民族文化遗产的一部分，都应该给予整理与弘扬，以利于今天新文化的发展。在本书的校点过程中，为了保持原作的完整和学术研究的需要，此次整理作了个别删节，保持了此书的原貌。给读者留有广阔的鉴别余地和欣赏空间。

在本书的整理和校点过程中，难免有谬误疏漏之处，敬请读者指正。

臧 财
一九九三年五月

目 录

卷之一 古艳部

| | | | | | |
|------|-------|-----|------|-------|------|
| 升官 | | (1) | 太监观风 | | (6) |
| 比职 | | (1) | 常礼 | | (6) |
| 发利市 | | (2) | 念勋本 | | (6) |
| 贪官 | | (2) | 武弁夜巡 | | (7) |
| 有理 | | (2) | 垛子助阵 | | (7) |
| 取金 | | (2) | 进士第 | | (7) |
| 糊涂 | | (3) | 及第 | | (7) |
| 不明 | | (3) | 嘲武举诗 | | (8) |
| 启奏 | | (3) | 封君 | | (8) |
| 偷牛 | | (4) | 老父 | | (8) |
| 避暑 | | (4) | 公子封君 | | (8) |
| 石碑 | | (4) | 送父上学 | | (9) |
| 强盗脚 | | (4) | 纳粟诗 | | (9) |
| 属牛 | | (5) | 考监 | | (9) |
| 同僚 | | (5) | 坐监 | | (9) |
| 家属 | | (5) | 不往京 | | (10) |
| 州同 | | (5) | 咬飞边 | | (10) |
| 衙官隐语 | | (6) | 入场 | | (10) |

| | | | | | |
|------|-------|------|------|-------|------|
| 书低 | | (10) | 仿制字 | | (14) |
| 监生娘娘 | | (11) | 春生帖 | | (14) |
| 监生自大 | | (11) | 借牛 | | (15) |
| 打丁 | | (11) | 哭麟 | | (15) |
| 王监生 | | (12) | 江心赋 | | (15) |
| 自不识 | | (12) | 吃乳饼 | | (15) |
| 监生拜父 | | (12) | 不愿富 | | (16) |
| 半字不值 | | (13) | 墓字塔 | | (16) |
| 借药撵 | | (13) | 医银入肚 | | (16) |
| 斋戒库 | | (13) | 田主见鸡 | | (16) |
| 附例 | | (14) | 讲解 | | (17) |
| 酸臭 | | (14) | 训子 | | (17) |

卷之二 腐流部

| | | | | | |
|-----|-------|------|------|-------|------|
| 辞朝 | | (18) | 不养子 | | (20) |
| 上任 | | (18) | 借粮 | | (20) |
| 争脏 | | (18) | 糠粮 | | (20) |
| 厮打 | | (18) | 脱科 | | (21) |
| 钻刺 | | (19) | 红门 | | (21) |
| 证孔子 | | (19) | 野味 | | (21) |
| 放肆 | | (19) | 僧士诘辩 | | (21) |
| 贽礼 | | (19) | 杨相公 | | (22) |

| | | | | | |
|------|-------|------|------|-------|------|
| 头场 | | (22) | 讲书 | | (28) |
| 后场 | | (22) | 师贊徒 | | (28) |
| 识气 | | (22) | 请先生 | | (29) |
| 蛀帽 | | (23) | 骂先生 | | (29) |
| 无一物 | | (23) | 没坐性 | | (29) |
| 带巾人 | | (23) | 兄弟延师 | | (30) |
| 穷秀才 | | (23) | 读破句 | | (30) |
| 颂屁 | | (24) | 退束修 | | (31) |
| 出学门 | | (24) | 赤壁赋 | | (31) |
| 抄祭文 | | (24) | 子戏左读 | | (32) |
| 行房 | | (25) | 中酒 | | (32) |
| 做不出 | | (25) | 教法 | | (32) |
| 凑不起 | | (25) | 浇其妻妾 | | (33) |
| 四等亲家 | | (25) | 先生意气 | | (33) |
| 七等割履 | | (26) | 梦周公 | | (33) |
| 腹内全无 | | (26) | 猫逐鼠 | | (34) |
| 不完卷 | | (26) | 问馆 | | (34) |
| 求签 | | (27) | 闲荡 | | (34) |
| 梦入泮 | | (27) | 改对 | | (35) |
| 谒孔庙 | | (27) | 捉徒 | | (35) |
| 狗头师 | | (27) | 蜈蚣咬 | | (35) |
| 狗坐馆 | | (28) | 我不如 | | (36) |

| | | | | | |
|------|-------|------|------|-------|------|
| 掘荷花 | | (36) | 瘟牛 | | (39) |
| 洞粪 | | (36) | 善对 | | (39) |
| 咬饼 | | (37) | 个人个妻 | | (40) |
| 想船家 | | (37) | 歪诗 | | (40) |
| 叔叔 | | (37) | 歇后诗 | | (40) |
| 是我 | | (38) | 咏钟诗 | | (41) |
| 问藕 | | (38) | 老童生 | | (41) |
| 卵脬皮 | | (38) | 认拐杖 | | (41) |
| 屎在口头 | | (39) | 拔须 | | (42) |
| 村牛 | | (39) | | | |

卷之三 术业部

| | | | | | |
|-------|-------|------|-----|-------|------|
| 医官 | | (43) | 医乳 | | (45) |
| 冥王访名医 | | (43) | 医屁 | | (46) |
| 抬柩 | | (43) | 医按院 | | (46) |
| 医人 | | (44) | 愿脚踢 | | (46) |
| 好郎中 | | (44) | 锯箭杆 | | (46) |
| 谢郎中 | | (44) | 怨算命 | | (47) |
| 哭郎中 | | (44) | 包殡殓 | | (47) |
| 屎子郎中 | | (45) | 屁打弹 | | (47) |
| 迷妇药 | | (45) | 送药 | | (47) |
| 跳蚤药 | | (45) | 补药 | | (48) |

| | | | |
|-------------|------|------------|------|
| 药户 | (48) | 相相 | (54) |
| 屁样 | (48) | 卜孕 | (55) |
| 取名 | (48) | 不着 | (55) |
| 索谢 | (49) | 写真 | (55) |
| 包活 | (49) | 胡须像 | (55) |
| 退热 | (49) | 讳输棋 | (56) |
| 僵蚕 | (50) | 好棋 | (56) |
| 看脉 | (50) | 银匠偷 | (56) |
| 医女接客 | (50) | 利心重 | (57) |
| 大方打幼科 | (51) | ·有进益 | (57) |
| 幼科 | (51) | 裁缝 | (57) |
| 小儿科 | (51) | 不下剪 | (58) |
| 小犬科 | (51) | 要尺 | (58) |
| 骂 | (52) | 木匠 | (58) |
| 医赔 | (52) | 含毛 | (58) |
| 吃白药 | (52) | 侍诏 | (59) |
| 游水 | (52) | 篦头 | (59) |
| 地师 | (53) | 头嫩 | (59) |
| 风水 | (53) | 取耳 | (60) |
| 阴阳先生 | (53) | 同行 | (60) |
| 阴阳生 | (54) | 偷肉 | (60) |
| 法家 | (54) | 船家 | (60) |

| | | |
|-----|-------|------|
| 梢公 | | (61) |
| 水手 | | (61) |
| 卖淡酒 | | (61) |
| 三名斩 | | (62) |
| 酒娘 | | (62) |

| | | |
|----|-------|------|
| 走作 | | (62) |
| 着醋 | | (62) |
| 酸酒 | | (63) |
| 炙坛 | | (63) |

卷之四 形体部

| | | |
|------|-------|------|
| 嘲胡卖契 | | (64) |
| 呵冻笔 | | (64) |
| 揪肾毛 | | (64) |
| 观相 | | (65) |
| 愁穷 | | (65) |
| 胡癞杀 | | (65) |
| 直缝横缝 | | (66) |
| 被剃 | | (66) |
| 抛毛 | | (66) |
| 胡子改屁 | | (66) |
| 不斟酒 | | (67) |
| 吃白面 | | (67) |
| 通谱 | | (67) |
| 联宗 | | (68) |
| 一般胡 | | (68) |

| | | |
|------|-------|------|
| 稀胡子 | | (68) |
| 出须药 | | (69) |
| 问有猫 | | (69) |
| 骂须少 | | (69) |
| 胡答嘲 | | (70) |
| 光屁股 | | (70) |
| 亲爷 | | (70) |
| 无须狗 | | (71) |
| 没须屁股 | | (71) |
| 拔须去黑 | | (71) |
| 白须 | | (71) |
| 黄须 | | (72) |
| 老面皮 | | (72) |
| 胖子行房 | | (72) |
| 皂隶干法 | | (73) |

| | | | |
|------------|------|------------|------|
| 截长 | (73) | 近趣眼 | (79) |
| 长卵叹气 | (73) | 白果眼 | (79) |
| 矮子看灯 | (74) | 漂白眼 | (80) |
| 亲嘴 | (74) | 聋耳 | (80) |
| 扇坠 | (74) | 呵欠 | (80) |
| 搁浅 | (74) | 火症 | (80) |
| 瞎叙盟 | (75) | 讳聋哑 | (81) |
| 瞽笑 | (75) | 麻屁 | (81) |
| 被打 | (75) | 屁股麻 | (81) |
| 吃螺蛳 | (76) | 麻卵袋 | (81) |
| 响不远 | (76) | 麻子咬卵 | (82) |
| 独眼 | (76) | 赤鼻 | (82) |
| 兄弟认匾 | (76) | 罷鼻狗 | (82) |
| 金漆盒 | (77) | 罷鼻请酒 | (83) |
| 问路 | (77) | 臭嘴 | (83) |
| 噀面 | (77) | 鼻耐性 | (83) |
| 乌云接日 | (77) | 蒜治口臭 | (83) |
| 鼻影作枣 | (78) | 臭癫痫 | (84) |
| 虾酱 | (78) | 残疾婧 | (84) |
| 疑蛋 | (78) | 歪屁 | (84) |
| 拾蚂蚁 | (78) | 鸽舌 | (85) |
| 捡银包 | (79) | 过桥叟 | (85) |

| | | | | | |
|-----|-------|------|-----|-------|------|
| 大耳 | | (86) | 怕冷 | | (90) |
| 歪头 | | (86) | 大乳 | | (90) |
| 争坐 | | (86) | 抓背 | | (90) |
| 直背 | | (87) | 善生虱 | | (90) |
| 驼叔 | | (87) | 贊阳物 | | (91) |
| 祖师殿 | | (87) | 家当 | | (91) |
| 忍屁 | | (87) | 肠肚 | | (91) |
| 屁婢 | | (88) | 巨卵 | | (92) |
| 鳌头 | | (88) | 小卵 | | (92) |
| 路上屁 | | (88) | 貴相 | | (92) |
| 贼屁 | | (89) | 当卵 | | (92) |
| 吃屁 | | (89) | 倭刺 | | (93) |
| 桌面响 | | (89) | 快刀 | | (93) |
| 田鸡叫 | | (89) | 瘪东西 | | (93) |
| 不默 | | (90) | 硬中证 | | (94) |

卷之五 殊稟部

| | | | | | |
|-----|-------|------|-----|-------|------|
| 善忘 | | (95) | 请下操 | | (97) |
| 恍惚 | | (95) | 虎势 | | (97) |
| 作弊 | | (96) | 访类 | | (97) |
| 燃衣 | | (96) | 吐绿痰 | | (98) |
| 正夫纲 | | (96) | 理旧恨 | | (98) |

| | | | | | |
|------|-------|-------|------|-------|-------|
| 勅书 | | (98) | 母猪肉 | | (105) |
| 吃梦中醋 | | (98) | 望孙出气 | | (105) |
| 葡萄架倒 | | (99) | 买酱醋 | | (106) |
| 槌碎夜壶 | | (99) | 劈柴 | | (106) |
| 手硬 | | (100) | 悟到 | | (106) |
| 呆郎 | | (100) | 藏锄 | | (107) |
| 痴婿 | | (100) | 较岁 | | (107) |
| 呆子 | | (101) | 拾簪 | | (107) |
| 贊马 | | (101) | 认鞋 | | (107) |
| 搠穿肚 | | (101) | 搽药 | | (108) |
| 携冻水 | | (102) | 记酒 | | (108) |
| 莫说是我 | | (102) | 狠干 | | (108) |
| 不道是你 | | (102) | 奸睡 | | (108) |
| 只说是我 | | (102) | 杀妻 | | (109) |
| 丈母不该 | | (103) | 盗牛 | | (109) |
| 痴人生女 | | (103) | 籴米 | | (109) |
| 糊涂花面 | | (103) | 在行 | | (110) |
| 事发觉 | | (103) | 呆算 | | (110) |
| 父各爨 | | (104) | 代打 | | (110) |
| 烧令尊 | | (104) | 七月儿 | | (111) |
| 子守店 | | (104) | 孵生翼 | | (111) |
| 活脱话 | | (105) | 试试看 | | (111) |